

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8948

IC

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature  
(Prose)

Name of the Course : B.A. (Hon.) CBCS -  
Sanskrit Core

Semester

: II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

## भाग (क) (Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :-

Translate any two of the following : (5×2=10)

(क) उद्दामदर्पश्चयशुस्थगितश्रवणविवराश्रोपदिश्यमानमपि ते न श्रृण्वन्ति, श्रृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः स्वेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् अहंकारदाहज्वरमूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः ।

(ख) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालम-मलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(ग) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति । केवलं च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्ना लोकोच्छेद्यमप्रदीप-प्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरं ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

(घ) गुरुवचनम् अमलम् अपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभा-समुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

Explain any two of the following : (5×2=10)

- (क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापिकालुष्यमुपयाति बुद्धिः ।  
अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः ।
- (ख) लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गोव वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला।
- (ग) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति  
सुरवेनोपदेशगुणाः ।
- (घ) प्रस्तावना कपटनाटकस्य । कदलिका कामकरिणः । वध्यशाला  
साधुभावस्य । राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य ।

3. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर 'लक्ष्मी' का वर्णन कीजिए । (10)

Describe the 'लक्ष्मी' on the basis of 'शुकनासोपदेश'.

अथवा / OR

'वाणी बाणो बभूव' इस उक्ति पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the statement 'वाणी बाणो बभूव'.

भाग (ख) (Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :

Translate any two of the following : (5×2=10)

(क) अथ सोऽप्याचक्षे- देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः । स च त्रासगद्गदमगदत् - महाभाग! क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम् । अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः । तमलमस्मि नाहमुद्धर्तुम् इति ।

5.

(ख) आगमदोषदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा । दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः । तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् । तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिर-स्वलितशासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति ।

6.

(ग) “किं बहना! राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सु समर्प्य, अप्सरः प्रतिरूपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसंगीतपानगोष्ठीश्च यथर्तुं बध्नन् यथार्हं कुरु शरीरलाभम्” इति पञ्चाङ्गस्पृष्ट भूमिरञ्जलि’ चुम्बितचूडश्चिरमशेत । प्राहसीच्च प्रीतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुरप्रमदाजनः ।

(घ) सत्यमाह चाणक्यः - चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थया अपि प्रियाः स्युः । दक्षिणा अपि तद्भावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति । तथापि का गतिः । अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मादृशैरयमधिपतिः । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारमश्रूयमाणवाचः कुर्मः । सर्वथा नयजस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम् । अपि नामापदो भाविन्यः प्रकृतिस्थमेनमापादयेयुः ।

7.

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' पर टिप्पणी लिखिए। (10)

Comment on the statement 'दण्डिनः पदलालित्यम्'.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

Describe the sayings of 'विहारभद्र' on the basis of विश्रुतचरितम्.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्हीं पाँच पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4. (5)

भाग (ग) (Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिये। (10)

Through light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

दशकुमारचरितम्, आख्यायिका, कादम्बरी, वासवदत्ता

8. संस्कृतसाहित्य के आधार पर लोककथा का वर्णन कीजिए ।

Describe the लोककथा on the basis of Sanskrit literature-

(10)

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, शुकसप्तति, पुरुषपरीक्षा, सिंहासनद्वात्रिंशिका, वेतालपञ्चविंशति ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9127 IC

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self Management in the Gita

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit –  
CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

i. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(5×7=35)

Explain the following :

(क) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ।  
मनः षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ॥

अथवा / OR

श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।  
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ॥

(ख) धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादशो मलेन च ।  
यथोल्बेनावृत्तो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम् ॥

अथवा / OR

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः ।  
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत् ॥

(ग) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम् ।  
अभ्यासेन तु कौन्तैय वैराग्येण च गृह्यते ॥

अथवा / OR

देवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं शौचमार्जवम् ।  
ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं तप उच्यते ॥



- (घ) पञ्चैतानि महाबाहो कारणानि निबोध मे ।  
सांख्ये कृतान्ते प्रोक्तानि सिद्ध्ये सर्वकर्मणाम् ॥

अथवा / OR

यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति ।  
तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ॥

- (ङ) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।  
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

अथवा / OR

पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति ।  
तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि प्रयतात्मनः ॥

2. 'आत्मप्रबन्धन' का वर्णन करते हुए उसके आधारभूत तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए । (11)

Describe the Self-Management and analyze its fundamental elements.

अथवा / OR

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में मन और इन्द्रियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

Discuss the role of mind and senses in the process of Self-Management according to the *Gita*.

3. मानसिक द्वन्द्वों की प्रकृति का वर्णन करते उनके मूल कारण के रूप में रजोगुण का विवेचन कीजिए। (11)

Describe the nature of mental conflicts and discuss the *Rajoguṇa* as a root cause of mental conflicts.

अथवा / OR

तमोगुण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सात्विक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of *Tamoguṇa* describe the characteristics of *Sāttvika* and *Tāmsika* diet.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following :

- |                           |                            |
|---------------------------|----------------------------|
| (i) समत्व योग             | (Equanimity Yoga)          |
| (ii) त्रिविध तप           | (Three types of austerity) |
| (iii) ध्यान               | (Meditation)               |
| (iv) चतुर्विध भक्त        | (Four types of devotees)   |
| (v) व्यवसायात्मिका बुद्धि | (Determinate buddhi)       |

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8898

Unique Paper Code : 12131401 IC

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and  
Chronology

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS Core

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**Part-A/भाग-क**

1. भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में अभिलेखों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 9

Describe the importance of inscriptions in the reconstruction of Indian History.

P.T.O.

अथवा/Or

अभिलेखों के विविध प्रकारों पर एक चर्चा कीजिए।

Discuss the various types of inscriptions.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :  $2 \times 5 = 10$

Write short notes on any two of the following :

कायस्थ, सप्तसिन्धु, लिपिकर, सुदर्शन तालाब

Kayasth, Saptasindhu, Lipikar, Sudarshan Talab

Part-B/भाग-ख

3. ब्राह्मी लिपि के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 9

Throw light on the origin and development of Brahmi Script.

अथवा/Or

भारत में लेखनकला कितनी प्राचीन है, इस विषय पर विस्तार से निबन्ध लिखिये।

Write an essay in detail on the antiquity of writing in India.

4. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  $2 \times 5 = 10$

Write short notes on any two of the following :

डी. आर. भण्डारकर, डी. सी. सरकार, जेम्स प्रिंसेप, गौरीशंकर  
ओझा

D.R. Bhandarkar, D.C. Sarkar, James Princep, Gauri Shankar Ojha

### Part-C/भाग-ग

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :  $5 + 5 = 10$

Translate any two of the following :

(i) यस्योर्जितं समरकर्मपराक्रमेद्धं

शुभ्रं यशः सुविपुलम्परिबम्भमीति।

कर्माणि यस्य रिपवश्च रणोर्जितानि

स्वप्नान्तरेष्वपि विचिन्त्य परित्रसन्ति ॥

(ii) लीलामन्दिरसोदरेषु भवतु स्वान्तेषु वामभ्रुवां

शत्रूणां तु न विग्रहक्षितिपते न्याय्योऽत्र वासस्तव।

शङ्का वा पुरुषोत्तमस्य भवतोनास्त्येव वारां निधे-

निर्मध्यापहतश्रियः किमु भवान् क्रोडे न निद्रापितः ॥

- (iii) अस्ति पि तु एकचा समाजा बहुमता देवानंप्रियस प्रियदसिनो राजो पुरा महानसम्हि देवानंप्रियस प्रियदसिनो अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्रानि आरभिसु सूपाथाय स अज यदा अयं धंमलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सूपाथाय।
- (iv) सृष्टिवृष्टिना पर्जन्येन एकार्णव-भूतायाम् इव पृथिव्यां कृतायां गिरेः उर्जयतः सुवर्णसिकता-पलाशिनि-प्रभृतिनां नदीनां अतिमात्रोद्वृतैः वेगैः सेतुं क्रियमाण-अनुरूप-प्रतिकारम् अपि गिरिशिखर तरु-तट-अट्टालक।

6. रुद्रदामन के गिरिनगर अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व लिखिये। 5

Write historical importance of Girinagar Inscriptions of Rudradaman.

अथवा/Or

एरण अभिलेख के आधार पर समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the personality of Samudragupta on the basis of Eran Inscription.

7. अशोक के सारनाथ लघु शिलालेख अथवा रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख के ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 5

Elaborate the historical importance of the Sarnath minor rock edict or the Junagarh rock inscription of Rudradaman.

8. निम्न में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4

Write short notes on any one of the following :

तीर्त्वा सप्त मुखानि, समाज, सुदर्शन बांध

Teertwa Sapta Mukhani, Samaj, Sudarshan Bandh

#### Part-D/भाग-घ

9. प्राचीन अभिलेखों में कालनिर्धारण से संबंधित विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख कीजिए। 9

Discuss the different systems of chronology found in ancient inscriptions.

अथवा/Or

अभिलेखों में प्रयुक्त होने वाले तिथ्यंकन पद्धति की समीक्षा कीजिए।

Examine the system of dating found in inscriptions.

10. निम्न में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4

Write a short note on any *one* of the following :

मौर्य संवत्, गुप्त संवत्, शक संवत्

Maurya Samvat, Gupta Samvat, Shak Samvat



[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9108 IC  
Unique Paper Code : 12131402  
Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature  
Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit  
CBCS  
Semester : IV  
Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए :-

(5)

Translate the Following verses :-

(क) वैदेशिकव्याधिशिलीमुखेषु लाजप्रवर्षेष्विव सञ्चरन्तः ।

राष्ट्रं निजं ये पिपुरत्यमीभ्यो नमो नमो वीरवृषाकपिभ्यः ॥

अथवा / OR

ग्रन्था न यस्यां लिपिपत्ररूपास्ते ह्यत्र विज्ञानमया हि कोषाः ।

ग्रन्थालयायन्तकि तेन यस्यां स्वयंप्रकाषा विबुधा, न रोहाः ॥

(ख) वयं सुपुत्राः प्रियमातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्मांश्चिर दास्य पङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः ॥

अथवा / OR

निपीय तोयं सरसः पुनश्च संस्थापितः स्याद्धि निजाधिकारः ।

उद्यम्य सत्याग्रह शस्त्रमेतद् विहाय दास्यं नमयेम सर्वान् ॥

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए :

(7)

Explain the following verses:

(क) अस्यां सदा जाग्रति हन्त तिस्रस्त्रिमार्गाणा निर्व्यभिचारसंगाः ।

भागीरथी चामरभारती च स्वातन्त्र्यदात्री करुणा च शम्भोः ॥

अथवा / OR

पुत्रीं हिमाद्रिर्नु सतीमुतेति रेवा नु गगेति च मेकलाद्रिः ।

तातस्तदीयः पराम्बिकां तां लक्ष्मीरिति व्याहरति स्म धीरः ॥

(ख) अज्ञान गाढान्ध तमोनिरस्य ज्ञानप्रकाशेन समुज्ज्वलद्भिः ।

लभ्यानि चान्यैः सह दुर्लभानि प्रशासकीयानि पदानि सम्यक् ॥

अथवा / OR

सर्वाण्यपत्यानि सुशिक्षितानि भवेयुरेवेत्यवधारणीयम् ।

शिक्षैव चात्मोन्नति हेतुरस्ति शिक्षां विना ते पशुभिः समानाः ॥

3. स्वातन्त्र्यसम्भवम् के अनुसार विद्या-नगरी के रूप काशी के माहात्म्य का वर्णन कीजिए । (8)

Describe the importance of Kashi Nagari as an educational-place according to Swatantryasambhavam.

अथवा / OR

समाजिक चेतना की दृष्टि से भीमायनम् महाकाव्य की समीक्षा कीजिए ।

Evaluate the Bhimayana Mahakavya in the Concept of Social consciousness.

4. शतपर्विका कथा के सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए। (8)

Evaluate the social Message of story of Shataparvika.

अथवा / OR

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ कथन के आलोक में शतपर्विका कथा की समीक्षा कीजिए।

Evaluate the story of Satparvika in the light of slogan  
बेटी बचाओ-बेटी पढाओ।

5. श्रमिकों की समस्या की दृष्टि से शार्दूलशकटम् का मूल्यांकन कीजिए।

(9)

Write an essay on the problems of Labor as portrayed  
in 'Shardulshakatama'.

अथवा / OR

आधुनिक संस्कृत नाटक के रूप में शार्दूलशकटम् की समीक्षा कीजिए।

Analyze Shardulshaktam as a Modern Sanskrit drama.

6. अधोलिखित पद्यों में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :

(5×2=10)

Translate any two of the following verses :

(क) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्पाति

क्रमशो वृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ॥  
 दोषानपि मुष्णाति निर्गुण गुणमाधत्ते  
 निर्वेद निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ॥  
 सत्कार्येषूत्साहवर्द्धिनी जडताजैत्री ।  
 स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ॥

अथवा / OR

प्रपञ्चो वञ्चना विष्वग् वणिज्या काकिणी - नीतिः ।  
 अमीभिर्मुक्तसारा अंग शृंगाराः क्व यातास्ते ॥  
 जगज्जालैरुताहो इन्द्रजालैर्येऽनुबध्नीयुः ।  
 नमद्भ्रूपक्ष्मभारा दृष्टिसंचाराः क्व यातास्ते ॥

(ख) वद वेदगिरां गुरुता क्व गता  
 क्व तथागतवाक्करुणापहता ।  
 इतिहासगता तव नैतिकता  
 परिहासकथेव वृथा भविता ॥

अथवा / OR

गतिविकला विज्ञान विजडिता  
 सन्न्रस्ता रोदिति मानवता,  
 निर्मित्ति बीज भूमौ वपत्,  
 सौख्यं स्वयं फलिष्यति रे  
 तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ॥

7. कतमा कविता अथवा संकल्पगीति में वर्णित राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। (8)

Throw light on National consciousness as depicted in 'Katma kavita or Sankalpagiti.

अथवा / OR

आधुनिक संस्कृत कविता के क्षेत्र में प्रो० पुष्पा दीक्षित अथवा प्रो० हर्षदेवमाधव के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the contribution of either Pro. Pushpa Dikshit or Pro. Harsh Dev Madhav to modern Sanskrit poetry.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए: (5×4=20)

Write short notes on any **four** of the following :

- |                               |                             |
|-------------------------------|-----------------------------|
| (क) परमानन्द शास्त्री         | Parmanand Shastri           |
| (ख) रेवाप्रसाद द्विवेदी       | Revaprasad Dwivedi          |
| (ग) लीलाराव दयाल              | Leela Rao Dayal             |
| (घ) जगन्नाथ पाठक              | Jagannath Pathak            |
| (ङ) शंकरदेव अवतारे            | Shankardev Awatare          |
| (च) वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य | Virendra Kumar Bhattacharya |

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9150

IC

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : B.A. Hons. Sanskrit CBCS  
(Core)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **FIVE** of the following questions.
4. All questions carry equal marks. (15×5=75)

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. अठारहवीं और उन्नीसवीं शती में उपनिषदों ने यूरोप और अमेरीका को कैसे प्रभावित किया ?

How did the Upanishads impact Europe and America in the 18<sup>th</sup> and 19<sup>th</sup> centuries?

2. बुर्जोई कृत अनुवाद से आरम्भ हुई, पंचतन्त्र के अनुवादों की श्रृंखला का परिचय दीजिए।

Trace the series of translations of the Panchatantra which began with its translation by Burzoyi.

3. वैदिक तथा ग्रीस व रोम के देवकुल की समानताओं का निर्देश कीजिए।

Discuss the similarities between Vedic and Greco-Roman gods on the other.

4. विगत तीन शताब्दियों में यूरोप में गीता का प्रसार कैसे हुआ ?



How did the Gita spread in Europe in the last three centuries?

5. सम्राट अकबर की चित्रशाला में चित्रित संस्कृत के ग्रन्थों का परिचय दीजिए ।

Discuss the Sanskrit texts produced in Akbar's painting workshops.

6. (क) संयुक्त राज्य अमरीका अथवा जापान में संस्कृत अध्ययन पर टिप्पणी लिखिए ।

Write a note on Sanskrit Studies in the USA  
OR Japan.

- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तीन भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए -

Give the equivalents from any **three** Indo-European languages for any **two** of the words given above.

श्रु, स्वसा, शूकर, पाद, नक्त

7. मलेशिया, इण्डोनेशिया तथा कंबोडिया की संस्कृति पर रामकथा के प्रभाव का विवेचन कीजिए ।

Discuss the impact of the story of Rama on the cultures of Malaysia, Indonesia and Cambodia.

8. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफीवाद व उपनिषदों की समानताओं का निरूपण कीजिए।

Discuss the similarities between Sufism and the Upanishads in the light of Dara Shikoh's translations of the Upanishads.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4257

HC

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

## SEC - A

1. दर्शन शब्द का अर्थ बताइए एवं उसके प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए। (6)

Describe the meaning of 'Dar7ana' and explain its purpose.

अथवा / OR

द्वैतवाद एवं बहुत्ववाद क्या हैं स्पष्ट कीजिए।

What are dualism and pluralism? Explain.

2. कार्यकारण वाद विषयक सांख्य मत का उल्लेख कीजिए। (6)

Describe the doctrine of causation of S1mkhya.

अथवा / OR

असत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of non pre-existence of effect in cause.

3. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any two of the following : (4½+4½)

(क) स्वभाववाद Naturalism

(ख) विवर्तवाद Doctrine of illusory transformation

(ग) यथार्थवाद Realism

## SEC - B

4. द्रव्य की परिभाषा देते हुए द्रव्य के प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(7)

Give definition of Dravya and describe its types in brief.

अथवा / OR

पंचविध कर्म को स्पष्ट कीजिए।

Explain the five types of Karma.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any two of the following :

- (i) तत्र द्रव्याणि पृथिव्यप्तेजोवायुराकाशकालदिगात्ममनासि नवैव ।  
(ii) परमपरञ्चेति द्विविध सामान्यम् ।  
(iii) सुखादयुपलब्धि साधनमिन्द्रियं मनः ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write short notes on any two of the following :

- (i) अभाव                      Abhava  
(ii) सामान्य                      Samanya  
(iii) आत्मा                      Atma  
(iv) कारण                      Kara8a

## SEC - C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार बुद्धि (ज्ञान) का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। (7)

Discuss in brief Buddhi (Janana) according to Tarkasangraha.

## अथवा / OR

तर्कसंग्रह के आधार पर प्रमा की परिभाषा देते हुए प्रमा के प्रकार बताइए।

On the basis of Taraksangraha give a definition of Prama and elucidate its types.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any **two** of the following :

- (i) यथार्थानुभवश्चतुर्विधः ।  
 (ii) कारणं त्रिविधं समवायसमवायिनिमित्तभेदात्  
 (iii) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।  
 (iv) उपमितिकरणमुपमानम्

9. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write short notes on any **two** of the following :

- (क) प्रमा  
 (ख) व्याप्ति  
 (ग) असिद्ध हेत्वाभास  
 (घ) पंचावयव वाक्य (परार्थनुमानम्)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8732

Unique Paper Code : 12131601

IC

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit-CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Note :—** Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

## भाग क/Section A

1. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन में क्या अन्तर है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 6

Explain in brief the difference between the Orthodox and the Heterodox philosophers.

अथवा/Or

भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Give a brief description of general classification of Indian Philosophy.

2. कार्य कारणवाद विषयक नैयायिकों के मत का उल्लेख कीजिए। 6

Describe the doctrine of causation of Naiyayikas.

अथवा/Or

सत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of pre-existence of effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  $4\frac{1}{2}+4\frac{1}{2}$

Write short notes on any two of the following :

(i) विवर्तवाद (Doctrine of illusory transformation)

(ii) द्वैतवाद (Dualism)

(iii) परिणामवाद (Doctrine of real transformation)



## भाग ख/Section B

4. पदार्थ कितने हैं ? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 7  
How many Padarthas are there ? Give a brief description of each.

अथवा/Or

कर्म एवं अभाव पदार्थों का विवेचन कीजिए।

Discuss the Karma and Abhava padarthas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 6+6  
Explain any two of the following :

(क) ज्ञानाधिकरणमात्मा

(ख) शब्दगुणकमाकाशम्

(ग) तत्र गन्धवती पृथ्वी।

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any two of the following :

(क) मनस्

(ख) सामान्यम्

(ग) गुण

(घ) शब्द प्रमाण।

## भाग ग/Section C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार अनुभव की परिभाषा देते हुए अनुभव के प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 7

Give definition and types of Anubhava according to

Tarkasamgraha.

## अथवा/Or

तर्कसंग्रह के आधार पर षड्विध सन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए।

Explain षड्विधसन्निकर्ष on the basis of Tarkasamgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) कार्यानियतपूर्ववृत्ति कारणम्

(ख) उपमितिकरणमुपमानम्

(ग) रूपादिचतुष्टयं पृथिव्यां पाकजमनित्यं चान्यत्रापाकजं नित्यमनित्यं च

(घ) तस्माल्लिङ्गपरामर्शोऽनुमानम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) परामर्श (Parāmarśa)

(ख) हेत्वाभास (Hetvābhāsa)

(ग) संशय एवं विपर्यय (Saṁśaya and viparyaya)

(घ) व्याप्ति (Vyāpti)।

This question paper contains 8 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8921

Unique Paper Code : 12131602 IC

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क' / Part 'A'

1. षष्ठी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 4

Explain with examples the rules of षष्ठी विभक्ति.

P.T.O.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *two* of the following sutras :

सम्बोधने च, कर्मणि द्वितीया, कर्मणा यमभिप्रैति व सम्प्रदानम्,  
सप्तम्यधिकरणे च

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों के रेखांकित पदों में  
सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : 4

Explain the reason of the case endings of the underlined words  
in any *four* sentences :

(क) छात्राः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

(ख) सूर्याय नमः।

(ग) हरिं भजति।

(घ) मोक्षे इच्छाऽस्ति।

(ङ) गां पयो दोग्धि।

(च) बालकः अश्वात् पतति।

3. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियम उदाहरण सहित स्पष्ट  
कीजिए। 8

Explain with examples the rules of कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.

(अथवा)/Or

कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं ? किन्हीं दो कृत् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

What is krit pratyaya ? Explain with examples any two krit pratyayas.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में वाच्य परिवर्तन कीजिए : 5

Change the voice in any five of the following :

(क) रजकेन वस्त्राणि प्रक्षाल्यन्ते जलाशये।

(ख) वयं पुस्तकानि पठामः।

(ग) मम माता मम कृते भोजनं पक्ष्यति।

(घ) बलिं याचते वसुधाम्।

(ङ) सः मधु खादितवान्।

(च) रामेण गृहं गतम्।

(छ) अत्र मया एकं नूपुरमदृश्यत।

भाग 'ख'/Part 'B'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 7

Translate in Sanskrit any seven of the following sentences :

(क) मूर्ख शिष्य गुरु की निन्दा करता है।

The fool disciple talks ill of the teacher.

(ख) इस प्रश्न को उस छात्र से पूछो।

Ask this question to that student.

(ग) कल सबेरे मैं पिताजी के साथ दुकान गई।

I went to the shop with my father yesterday morning.

(घ) क्षत्रिय के अतिरिक्त कौन प्रजा को दुःख से बचाता है ?

Who other than a warrior saves the people from grief ?

(ङ) मित्रो ! मैं तुम दोनों को एक-एक पुस्तक देना चाहता हूँ।

Friends ! I want to give a book to both of you.

(च) हमें अपना कर्तव्य पालन करना चाहिए।

We should fulfill our duties.

(छ) चतुर मनुष्य चार बालकों को फल देता है।

The clever man gives fruits to four children.

(ज) माता पिता सदैव पूजनीय होते हैं।

Mother and father are always worshipable.

(झ) हिमालय से गंगा निकलती है।

The Ganga emanates from the Himalaya.

(ञ) तेरे द्वारा पाठ पढ़ा जाता है।

The text is read by you.

(ट) सूर्य ने किरणों से लोक को तपाया।

The sun heated the world by its rays.

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

8

Translate any *one* of the following paragraphs into Hindi *or* into English :

कृषकः प्रतिदिनं प्रातःकाले उत्थाय वृषभान् आदाय क्षेत्रं गच्छति।  
स तत्र क्षेत्राणि कर्षति। कृष्टेषु क्षेत्रेषु बीजानि वपति। बीजेभ्यः  
अंकुराः जायन्ते। अंकुरेभ्यः शस्यं जायते। शस्येन एव सम्पूर्णः देशः  
धनवान् धान्यवान् च भवति। भारतवर्षे ग्रामीणानां जनानां मुख्यं कर्म  
कृषिः। ग्रामीणाः कृषकाः कठोरं परिश्रमं कुर्वन्ति।

अथवा/Or

संस्कृतवाङ्मयं विशालम्। तस्मिन् न केवलं जीवनस्य भौतिकपक्षः  
प्रदर्श्यते अपितु आध्यात्मिकपक्षः अपि। यथा पक्षी द्वाभ्यां पक्षाभ्याम्  
उत्पतति तथैव मानवोऽपि उभाभ्यां पक्षाभ्यां प्रगतिं करोति।  
सांसारिकजीवने सुखप्राप्तिः मनुष्यस्य प्रथमा आवश्यकतास्ति। अतएव  
पुरुषार्थचतुष्टये धर्मादनन्तरम् अर्थस्य स्थानम्। अर्थं विना संसारस्य  
किमपि कार्यं न सिध्यति। किन्तु अर्थोऽपि तावानेव उपादेयः यावती  
तस्य आवश्यकता।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले चलचित्र विषयक वार्तालाप को संस्कृत में लिखिए। 6

Write the conversation between two friends on the topic of cinema in Sanskrit.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए :

Correct any six of the following :

- (i) त्वां किं रोचते ?
- (ii) ज्ञानस्य ऋते न मुक्तिः।
- (iii) धनेन ज्ञानं गुरुतरम्।
- (iv) सः शिरसि खल्वाटः अस्ति।
- (v) अलं विवादस्य।
- (vi) रामः पितुः सह आपणम् अग
- (vii) अहं पत्रं लिखति।
- (viii) माता बालकं कुध्यति।



8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6

Fill up the blanks of any *six* of the following with suitable suffixes :

- (i) त्वया सत्यं ..... (वद्+अनीयर) ।  
(ii) कृष्णस्य केकारवं ..... (श्रु+क्त्वा) कोकिलः अपि लज्जते ।  
(iii) तेन लेखः ..... (लिख्+तव्यत्) ।  
(iv) देवदत्तः धनम् ..... (आ+दा+ल्यप्) आपणम् अगच्छत् ।  
(v) ..... (लज्ज+शानच्) वधुः आगच्छति ।  
(vi) विलपन्ती सीतां दृष्ट्वा लक्ष्मणः ..... (वि+सद्+क्त) संजातः ।  
(vii) अहं ..... (पद्+तुमुन्) इच्छामि ।  
(viii) सः ..... (हस्+शत्) अवदत् ।

भाग 'ग'/Part 'C'

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 15

Write an essay on any *one* of the following topics :

- (i) वेदानां महत्त्वम्  
(ii) रम्या रामायणी कथा

(iii) भारतीय संस्कृति:

(iv) महाकवि: कालिदास:

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 12

Write an essay on any *one* of the following topics :

(i) पर्यावरणसंरक्षणम्

(ii) चलचित्रानां प्रभावः

(iii) भ्रष्टाचारः—कारणं निवारणं च

(iv) संगणकस्य महत्त्वम्।

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9477

Unique Paper Code : 62131217 IC

Name of the Paper : Sanskrit-C1 Niti Literature Core MIL

Name of the Course : B.A. (P) Sanskrit-CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

P.T.O.

## भाग 'अ' / Part 'A'

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 6+6=12

Translate the following :

- (क) कस्मिंश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्रह्मणाः मित्रत्वमापन्ना वसन्ति स्म । बालभावे तेषां मतिरजायत—“भोः ! देशान्तरं गत्वा, विद्याया उपार्जनं क्रियते । अथान्यस्मिन् दिवसे ते ब्राह्मणाः परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जे गताः । तत्र च विद्यामठे गत्वा पठन्ति । एवं द्वादशाब्दानि यावदेकचित्तया पठित्वा, विद्याकुशलाऽस्ते सर्वे सञ्जाताः ।

अथवा/Or

तच्छ्रुत्वा नापित आह—“भगवन् ! वेदम्यहं युष्मद्धर्मम् । परं भवतो बहुश्रावका आह्वयन्ति । साम्प्रतं पुनः पुस्तकाच्छ्र-  
दनयोग्यानि कर्पटानि बहुमूल्यानि प्रगुणीकृतानि । तथा पुस्तकानां लेखनार्थं लेखकानां च वित्तं सञ्चितमास्ते । तत्सर्वथा कालोचितं कार्यम् ।”

- (ख) एवं विचिन्त्य तमाह—“भो गङ्गदत्त ! यद्येवं तदग्रे भव, येन तत्र गच्छवः ।” गङ्गदत्त आह—“भोः प्रियदर्शन ! अहं त्वां सुखोपायेन तत्र नेष्यामि, स्थानं च दर्शयिष्यामि । परं त्वयाऽस्मत्परिजनो रक्षणीयः । केवलं यानहं तव दर्शयिष्यामि, त एव भक्षणीयाः” इति । सर्प आह—“साम्प्रतं त्वं मे मित्रं जातम् । तत्र भेतव्यम् ।

अथवा/Or

तच्छ्रुत्वा मकरः सविलक्षं चिन्तितवान्-“अहो, मयातिमूढेन किमस्य स्वचिन्ताभिप्रायो निवेदितः। तद्यद्यसौ पुनरपि कथञ्चिद्विश्वासं गच्छति तद् भूयोऽपि विश्वासयामि”। आह च-“मित्र ! हास्येन मया तेऽभिप्रायो लब्धः, तस्या न किञ्चित्तव हृदयेन प्रयोजनम्। तदागच्छ प्राधुनिकन्यायेनास्मद्गृहम्। तव भ्रातृपत्नी सोत्कण्ठा वर्तते।”

वानर आह-“भो दुष्ट ! गम्यताम्। अधुना नाहमागमिष्यामि।

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

8

Explain the following :

समुत्पन्नेषु कार्येषु बुद्धिर्यस्य न हीयते।

स एव दुर्ग तरति जलस्थो वानरो यथा ॥

अथवा/Or

मानो वा दर्पो वा विज्ञानं विभ्रमः सुबुद्धिर्वा।

सर्वं प्रणश्यति समं वित्तहीनो यदा पुरुषः ॥

3. क्षपणक कथा का सार लिखिए।

10

Write a summary of क्षपणककथा.

अथवा/Or

वानरमकर कथा में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा की विवेचना कीजिए।  
Discuss the moral teaching as revealed in वानरमकरकथा.

भाग 'ब'/Part 'B'

4. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

6

Translate the following :

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।  
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि च तं नरं न रञ्जयति ॥

अथवा/Or

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,  
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।  
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,  
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 7+7=14

Explain any two of the following :

विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

अथवा/Or

समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।

6. नीतिशतक के आधार पर विद्या संबन्धी विचारों का वर्णन कीजिए। 10

Describe the views concerning "विद्या" on the basis as Nitishatakam.

अथवा/Or

भर्तृहरि के अनुसार सत्संगति की विशेषताओं को लिखिए।

Write the characteristics of "सत्संगति" according to the Bhartrihari.

भाग 'स'/Part 'C'

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 5+5+5=15

Write notes on any *three* of the following :

भारवि, दण्डी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, उत्तररामचरितम्, कादम्बरी

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9565

Unique Paper Code : 62131201 IC

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit CBCS-Discipline

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.



1. निम्न में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :  $2 \times 8 = 16$

Explain any two of the following with reference to the context :

(i) तात चन्द्रापीड - ! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमत्युपदेष्टव्यमस्ति । केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्य-  
मरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् ।  
अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम्  
अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

(ii) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति  
बुद्धिः । अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति  
च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया  
यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः ।

(iii) अभिजातमहिमिव लङ्घयति । शूरं कष्टकमिव परिहरति ।  
दातारं दुःस्वप्नम् इव न स्मरति । विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति ।  
मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति । परस्परविरुद्धञ्चेन्द्रजालमिव  
दर्शयन्तीप्रकटयति जगति निजं चरितम् ।

2. "वाणी बाणो बभूव" के आधार पर गद्यकार बाणभट्ट की गद्यशैली  
को अपने शब्दों में लिखिए। 12

Write the prose style of Banabhatta according to "वाणी बाणो  
बभूव" in your own words.

अथवा/Or

शुकनासोपदेश में वर्णित युवावस्था के दोषों का वर्णन कीजिए।

Explain the demerits of young age depicted in Shuknasoupdesha.

3. निम्नलिखित में से किसी एक का अनुवाद कीजिए : 6

Translate any *one* of the following :

(क) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्भूय कुसुमकोरकानवर्चिनोति,  
तावत् तस्यैव सतीर्थ्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तूरिका-रेणुरुषित  
इव श्यामः, चन्दन-चर्चित-भालः, कर्पूरागुरु-क्षोदच्छुरित-  
वक्षो-बाहु-दण्ड; सुगन्ध-पटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रामन्थराणि  
कोरकनिकुरम्बकान्तराल सुप्तानि मिलिन्द-वृन्दानि झटिति  
समुपसृत्यनिवारयन् गौरबटुमेवम् अवादीत्।

(ख) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः  
समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि  
न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति  
प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश  
इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति  
स्म।

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली का वर्णन कीजिए। 12

Explain the prose style of Ambikadutt Vyas.

अथवा/Or

शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में वर्णित योगी मुनि का वर्णन  
कीजिए।

Describe the "Yogi Muni" depicted in first Nishvāsa of  
Shivarajavijaya.

5. प्रत्येक खण्ड में से किन्हीं तीन का चयन करते हुए कुल छः पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 6×2=12

Write short notes on any *six* by selecting *three* from each part :

(क) गजनिमीलितम्, आभिचारिकः, गर्भेश्वरत्वम्, वाडवानलः, पारिजातः।

(ख) खेचर-चक्र, कल्पभेदाः, मरुकरोति, शृङ्गाटक, यायजूकैः।

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 3 के किन्हीं पाँच रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

Write grammatical note on any *five* of the underlined words in question 1 and 3.

7. संस्कृत साहित्य के प्रमुख गद्यकारों पर एक लघु निबन्ध लिखिए। 12

Write a short essay on main prose-writers (poets) of Sanskrit Literature.

अथवा/Or

निम्नलिखित में किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* of the following :

दण्डी, पंचतन्त्र, सिंहासनद्वात्रिंशिका, सुबन्धु।

*This question paper contains 4 printed pages.*

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper: 4901A

HC

Unique Paper Code : 62131215

Name of Paper : Sanskrit Literature

Name of Course : B.A. (Prog.) Sanskrit : MIL - A

Semester : II

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

**NOTE:—** Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी:—** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

*All questions are compulsory.*

भाग क (PART A)

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

Translate the following:

4+4=8

P. T. O.

- (क) यौवनं धनसंपत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता ।  
एकैकमप्यनर्थाय, किमु यत्र चतुष्टयम् ॥

अथवा (Or)

अर्थागमो नित्यमरोगिता च प्रिया च भार्या प्रियवादिनी  
च ।

वश्यश्च पुत्रोऽर्थकरी च विद्या षड्जीवलोकस्य  
सुखानि राजन् ॥

- (ख) अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्पश्यम् । एको वृद्धव्याघ्रः  
स्नातः कुशाहस्तः सरस्तीरे ब्रूते— भो भोः पान्थाः । इदं  
सुवर्णकंकणं गृह्यताम् । ततो लोभाकृष्टेन  
केनचित्पान्थेनालोचितम्— भाग्येनैतत्संभवति । किं  
त्वस्मिन्नात्म संदेहे प्रवृत्ति विधेया ।

अथवा (Or)

असाधना वित्तहीना बुद्धिमन्तः सुहृत्तमाः ।  
साधयन्त्याशु कार्याणि काककूर्ममृगाखुवत् ॥

## 2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

Explain the following:

6+6=12

- (क) स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ।  
परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते ॥

अथवा (Or)

आयुः कर्म व वित्तं च विद्या निधनमेव च ।  
पञ्चैतान्यपि सुज्यन्ते गर्भस्थस्यैव देहिनः ।

- (ख) मातृपितृकृताभ्यासो गुणितामेति बालकः ।  
न गर्भच्युतिमात्रेण पुत्रो भवति पण्डितः ॥

अथवा (Or)

मरुस्थल्यां यथा वृष्टिः क्षुधार्ते भोजनं तथा ।  
दरिद्रे दीयते दानं सफलं पाण्डुनन्दन ॥

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं 5 क्रियापदों का परिचय दीजिए ।

Introduce any five underlined words in Question Nos. 1 and 2 by their verbal declensions. 10

भाग ख (PART B)

4. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

Translate the following: 5

आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैरपि ।  
आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि ॥

अथवा (Or)

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।  
वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए:

Explain any two of the following: 6+6=12

(i) आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे ।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः ॥

(ii) उद्योगे नास्ति दारिद्र्यं जपतो नास्ति पातकम् ।

मौने च कलहो नास्ति नास्ति जागरिते भयम् ॥

(iii) दुराचारी दुरादृष्टिर्दुराऽऽवासी च दुर्जनः ।

यन्मैत्री कियते पुम्भिर्नरः शीघ्रं विनश्यति ॥

- (iv) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः ।  
सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ॥

5. प्रश्न संख्या 4 के रेखांकित किन्हीं चार पदों का विभक्ति निर्देश कीजिए ।

Introduce any *four* underlined words of Question No 4 by their case-endings. 8

### भाग ग (PART C)

6. गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the origin and development of Gadyakavya.

~~अथवा (Or)~~

- नीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए ।

Throw light on the origin and development of Nitikavya. 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर निबन्ध लिखिए:

Write critical comments on *two* of the following:

5+5=10

- (क) बाणभट्ट  
(ख) अम्बिकादत्त व्यास  
(ग) पञ्चतन्त्र  
(घ) कथासरित्सागर ।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : 4902-A HC

Unique Paper Code : 62131216

Name of the Course : B.A.(Programme)

Name of the Paper : Sanskrit B : Upanisad  
and Gita

Semester : II

Time : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates :**

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा

P.T.O.



4902-A

में दीजिए, परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**PART - A**

भाग - क

1. What is Isavara ? Describe according to the  
Iśāvāsyaopaniṣad. 10  
ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' क्या है ? विवेचना  
कीजिए।

**OR**

अथवा

Write the summary of Iśāvāsyaopaniṣad in your  
own words.

ईशावास्योपनिषद् के सार को अपने शब्दों में लिखिए।

2. Explain any **two** of the following :

7.5×7.5=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छंत समाः ।

एवं त्वयि नान्यथेतोस्ति न कर्म लिप्यते नरे ॥

(ख) तदेजति तन्नैजति तद् दूरे तद्वन्तिके ।

तदन्तरस्य सर्वस्य तेषु सर्वस्यास्य बाह्यतः ॥

- (ग) अन्यदेवाहुर्विद्ययान्यदाहुरहविद्यया ।  
इति शुश्रुम धीराणां ये नस्तद्विचचक्षिरे ॥
- (घ) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।  
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ॥

## PART - B

भाग - ख

3. What is the significance of the second chapter of Gītā ? 10  
गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्त्व है ?

OR

अथवा

Explain the concept of Equanimity on the basis of the second chapter of Gītā.  
गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर समत्व बुद्धि' के सिद्धान्त को समझाइए।

4. Explain any ~~two~~ of the following :

8+8=16

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(क) क्लैव्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्तोत्तिष्ठ परंतप ॥

(ख) देहिनोऽस्मिन् यथ देहे कौमारं यौवनं जरा ।

तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ॥

4902-A

- (ग) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।  
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥
- (घ) या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी ॥  
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः ।

5. Write short notes on any **two** of the following :  
6+6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  
मन, योग, जितेन्द्रिय, निष्काम कर्म

### PART - C

#### भाग - ग

6. Write short notes on any **two** of the following :  
6+6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  
विद्या, कर्म, ब्रह्म, सृष्टि

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9495

Unique Paper Code : 62024411 IC

Name of the Paper : Introduction to Tibetan and Chinese  
Buddhism

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies-  
CBCS  
(New Course)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *four* questions in *all*.

Question No. 1 is compulsory.

Marks are indicated against each question.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

— प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

P.T.O.

1. Write short notes on any *two* of the following :  $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

- (1) The Literary contribution of Thon-mi-sam-bhot
- (2) Short introduction of Kangyur
- (3) Short introduction of Tangyur
- (4) Buddhism in China.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (1) थोन-मि-सम-भोट का साहित्यिक योगदान
- (2) कङ्ग्युर का संक्षिप्त परिचय दीजिए
- (3) तङ्ग्युर का संक्षिप्त परिचय दीजिए
- (4) चीन में बौद्ध धर्म।

2. How did the Tibetan script emerge ? Introduce and write the Tibetan alphabets. 20

तिब्बती लिपि का उद्भव कैसे हुआ ? परिचय देते हुए तिब्बती वर्णमाला लिखिए।

3. Discuss the contribution of Emperor Srong-san-gam-po in the spread of Buddhism in Tibet. 20

तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रसार में सम्राट् स्रोङ्-सन-गम-पो के योगदान की चर्चा कीजिए।

4. Describe the leading Buddhist festivals in China. 20

चीन के प्रमुख बौद्ध त्योहारों का वर्णन कीजिए।

5. Discuss the role of Silk land route Or Sea routes in the propagation of Buddhism in China. 20  
चीन में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में रेशम थल मार्ग अथवा समुद्री मार्ग की भूमिका का विवेचन कीजिए।
6. Enumerate the important Han Centres of Buddhism. 20  
बौद्ध धर्म के प्रमुख हान केन्द्रों का वर्णन कीजिए।
7. Write an essay on the state of Buddhism during the Han Dynasty. 20  
हान राजवंश के दौरान बौद्ध धर्म की दशा पर एक निबंध लिखिए।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9343

Unique Paper Code : 62131802

IC

Name of the Paper : Grammar and Composition (CORE  
MIL-B2)

Name of the Course : B.A. (PROG.) Sanskrit-CBCS

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिए :  $3 \times 5 = 15$

Comment on any *three* of the following :

यण्, पूर्वरूप, रुत्व, गुण, अनुनासिक

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का संधि-विच्छेद कीजिए :  $5 \times 1 = 5$

Disjoin any *five* of the following :

उमेशः, वनौषधिः, विष्णवे, पावकः, सूर्योदयः, रामो लिखति, रामष्णष्टः, यद्यपि

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में संधि कीजिए :  $5 \times 2 = 10$

Join any *five* of the following :

हित+उपदेशः, यदि+अपि, रौ+अणः, गुरु+उपदेशः, कृष्ण+एकत्वम्, जगत्+ईशः, कः+चित्, बालः+च

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का विग्रह-उल्लेखपूर्वक समास परिचय दीजिए :  $5 \times 2 = 10$

Identify the compound and show the Vighrah forms in any *five* of the following compounded words :

उपग्रामम्, चोरभयम्, राजपुत्रः, पितरौ, श्वेताम्बरः, रामलक्ष्मणौ, अधर्मः, अनुरूपम्

5. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए :  $1 \times 5 = 5$

Comment on any *one* of the following :

(i) बहुव्रीहि

(ii) द्वन्द्व।



6. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का प्रकृति-प्रत्यय परिचय दीजिए : 5×1=5

Identify the roots and suffixes in any *five* of the following :

हसितव्यम्, चयनीयम्, कार्यम्, गेयम्, उक्तवान्, पठितुम्, दत्त्वा, पचमानः

7. निम्नलिखित में से प्रकृति-प्रत्यय को मिलाकर किन्हीं पाँच पदों का निर्माण कीजिए : 5×2=10

Show the formation of any *five* of the following :

भू+अनीयर, दा+तव्यत्, ह्+ण्यत्, जि+यत्, वच्+तुमुन्, नी+क्त्वा, हस्+शत्, कृ+ल्युद्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 5×1=5

Translate any *five* of the following sentences into Sanskrit :

(i) श्याम विद्यालय जाता है।

Shyam goes to school.

(ii) वह गेंद से खेलता है।

He plays with ball.

(iii) हम सब पढ़ते हैं।

We read.

(iv) मैं गेंद से खेलता हूँ।

I play with ball.

(v) गीता गाना गाती है।

Gita sings a song.

(vi) वे पत्र लिखते हैं।

They write a letter.

(vii) सोहन दौड़ता है।

Sohan runs.

(viii) वे सब यहाँ आते हैं।

They come here.

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 10

Write an essay in Sanskrit on any one of the following :

(i) मम प्रियक्रीडा

(ii) परोपकारः

(iii) संस्कृतभाषा

(iv) सत्सङ्गतिः।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9531

Unique Paper Code : 62021201 IC

Name of the Paper : Mahayana Buddhism : Continuity  
and Change

Name of the Course : B.A. (Prog.) Buddhist Studies-  
CBCS-DSE

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना  
चाहिए।

Attempt any *four* questions.

Question No. 1 is compulsory.

Marks are indicated against the question.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

P.T.O.

1. Write short notes on any *two* of the following :  $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

(i) Fourth Buddhist Council

(ii) Dāna-pāramitā

(iii) Karuṇā

(iv) Nirvāna

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) चतुर्थ बौद्ध संगीति

(ii) दान-पारमिता

(iii) करुणा

(iv) निर्वाण।

2. Highlight the role of Socio-economic factors behind the origin of Mahāyāna Buddhism ? 20

महायान बौद्ध धर्म के उद्भव में सामाजिक-आर्थिक कारकों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

3. Discuss the planning and decisions of the second Buddhist Council. 20

द्वितीय बौद्ध संगीति के उद्देश्य एवं परिणामों की चर्चा कीजिए।

4. Write an essay on the life of the Buddha. 20

बुद्ध की जीवनी पर एक लेख लिखिए।

5. What do you understand by the term ' *Samādhi* ' ? Highlight its importance in Buddhist practices. 20

'समाधि' शब्द से आप क्या समझते हैं ? बौद्ध साधना में इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

6. Discuss the important teachings of the *Yogāchāra* school of Mahāyāna Buddhist Philosophy. 20

महायान बौद्ध दर्शन के योगाचार मत के महत्वपूर्ण सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

7. What do you mean by ' *Prajñā-Pāramitā* ' ? Specify its place in *Pāramitā* doctrine. 20

'प्रज्ञा-पारमिता' से आपका क्या तात्पर्य है ? पारमिता सिद्धांत में इसके स्थान को निर्दिष्ट कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9057 IC  
Unique Paper Code : 12137901  
Name of the Paper : Indian System of Logic and Debate  
Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit - CBCS - DSE  
Semester : VI  
Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

खण्ड 'अ'

Section A

1. निम्न में से किन्हीं एक पर निबन्ध लिखिए : (9)

Write an essay on any one of the following -

(क) आन्वीक्षिकी एवं इसका महत्त्व

Science of inquiry and its importance

(ख) वादविधि

The method of Debate

(ग) परिषद्

The Council of Debate

2. निम्न में से किसी दो पर लघु टिप्पणी कीजिए : (3×2=6)

Write short notes on any two of the following :

वादी (Discussant), अनुलोम सम्भाष (Anulomasambhāṣa),

प्राश्निक (Judge)

खण्ड 'ब'

## Section B

3. निम्न में से किन्हीं दो को उद्घाटित कीजिए : (10×2=20)

Expose any **two** of the following :

(क) तर्क की प्रकृति एवं प्रकार (Nature and Variety of Tarka)

(ख) अनुमान (Inference)

(ग) व्याप्ति की सामान्य अवधारणा (Basic understanding of invariable concomitance)

(घ) हेतु एवं इसके प्रकार (Hetu and its Types)

4. निम्न में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी कीजिए : (5)

Write short notes on any **one** of the following into Sanskrit :

उदाहरण (Example), साध्य (Major term)



खण्ड 'ग'  
Section C

5. निम्न में से किन्हीं पाँच पदों को उद्घाटित कीजिए : (7×5=35)

Expose any five of the following technical terms :

- |                    |                            |
|--------------------|----------------------------|
| (क) सिद्धान्त      | (Tenet)                    |
| (ख) निर्णय         | (Ascertainment)            |
| (ग) प्रतिज्ञाविरोध | (Opposing the proposition) |
| (घ) जल्प           | (Wrangling)                |
| (ङ) कथा            | (Dialogue)                 |
| (च) निग्रहस्थान    | (Point of Defeat)          |

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8849

IC

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Āyurveda

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit CBCS –  
DSE

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions as per the given instructions.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए ।

P.T.O.

1. आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करें। (20)

Write a comprehensive note on Āyurvedavataṛaṇa.

अथवा / OR

आयुर्वेद की पुनर्वसु-परम्परा का विस्तृत वर्णन करें।

Write a comprehensive note on the Punarvasu tradition of Āyurveda.

2. आयुर्वेद के अनुसार षड्-ऋतुचर्या का विस्तृत वर्णन करें। (20)

Write a comprehensive note on Ṣaḍṛitucaryā according to Āyurveda.

3. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
(7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following topics :

- (i) उत्तरायण (Uttarāyaṇa)
  - (ii) दक्षिणायन (Dakṣiṇāyana)
  - (iii) आयुर्वेद के प्रयोजन (Objectives of Āyurveda)
  - (iv) आयु की अवधारणा (Concept of Āyu)
4. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वर्णित पञ्चकोश का वर्णन कीजिए। (20)

Describe the *Pancakośa* as depicted in the *Briguvallī* of *Taittirīyopaniṣad*.

(500)

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9362

Unique Paper Code : 62027627 IC

Name of the Paper : Selected Text Related to the Buddha's  
basic teaching

Name of the Course : B.A. (Prog.) BS-CBCS-DSE

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना  
चाहिए।

Attempt four questions in all.

Question No. 6 is compulsory.

Marks of each question are mentioned against it.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 6 अनिवार्य है।

निर्धारित अंक प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंकित हैं।

1. Describe the foundation of mindfulness (Satipatthana-

Sutta) in details, and where it is placed in Pāli Tripitaka. 20

P.T.O.

सतिपट्टानसुत्त का विस्तार में वर्णन कीजिए और यह भी बताइए कि यह पालि त्रिपिटक में कहाँ उल्लेखनीय है।

2. Write a note on the different approaches as described in the Mangala and Parābhava Sutta. 20

मंगल और पराभव सुत्त के अलग-अलग दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिये।

3. Detail description of setting in motion of wheel of truth (Dhammacakkappavattana-sutta). 20

धम्मचक्रकप्पवत्तन-सुत्त की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the Mahāyana Literature of the Buddhism with the special reference of the Saddharmapundarika Sutra. 20

महायान साहित्य (नववैपुल्य सूत्र) की सद्धर्मपुंडरिक सूत्र के विशेष सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

5. Explain Sigālovāda Sutta with proper description of the story towards this sutta. 20

सिगालोवाद-सुत्त की व्याख्या कीजिए। साथ ही इस सुत्त की ओर जाने वाली कहानी का भी समुचित वर्णन कीजिए।

6. Write short notes on any two :

7.5×2=15

- (i) Mangala-Sutta
- (ii) Parābhava-Sutta
- (iii) Cattari Ariya Saccani
- (iv) Mahayana Buddhism.

किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :

- (i) मंगल सुत्त
- (ii) पराभव सुत्त
- (iii) चार आर्य सत्य
- (iv) महायान बौद्ध धर्म।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9521

Unique Paper Code : 62134402

IC

Name of the Paper : Sanskrit Vyakarana

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit-CBCS-DSC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से दो-दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 10+10+10=30

Explain with example any two sutras from each section :

**खण्ड-अ/Section-A**

- (i) हलन्त्यम्
- (ii) हलोऽनन्तराः संयोगः
- (iii) सुप्तिङन्तं पदम्
- (iv) आदिरन्त्येन सहेता ।

**खण्ड-ब/Section-B**

- (i) एचोऽयवायावः
- (ii) एङः पदान्तादति
- (iii) स्तोः श्चुना श्चुः
- (iv) शश्छोऽटि

**खण्ड-स/Section-C**

- (i) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
- (ii) कर्तृकरणयोस्तृतीया
- (iii) षष्ठी शेषे
- (iv) अपादाने पञ्चमी ।



2. निम्नलिखित पदों में से केवल पाँच पदों का सूत्रोल्लेखपूर्वक विग्रह कीजिए : 15

Quoting the relevant sutras, paraphrase any *five* of the following :

सुद्धयुपास्यः, गङ्गोदकम्, श्रीशः, रामष्णष्ठः, वागीशः, एतन्मुरारिः, हरिश्शेते, शिवोवन्द्यः।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की परिभाषा सोदाहरण दीजिए : 12

Define with examples any *four* technical terms of the following :

संहिता, प्रत्याहार, कर्ता, सम्प्रदान, अल्पप्राण, सवर्ण।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 5

Write the words of any *five* of the following Pratyaharas :

उक्, एङ्, एच्, जश्, यर्, खर्, रँ, अण्।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वर्णों के उच्चारण स्थान लिखिए : 3

Write the places of pronuciation of any *three* words of the following :

ह, य, अ, त्, प, ण, स्।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में रेखांकित पदों में प्रयुक्त विभक्ति का कारण सूत्रोल्लेखपूर्वक दीजिए : 10

Choosing any five sentences, explain the reason of the application of the case ending in the underlined words :

- (क) द्रोणो व्रीहिः।  
 (ख) वज्रम् अवरुणं द्वि गाम्।  
 (ग) रामेण बाणेन हतो बाली।  
 (घ) हरये नमः।  
 (ङ) ग्रामाद् आयाति।  
 (च) मोक्षे इच्छा अस्ति।  
 (छ) देवदत्तं पन्थानं पृच्छति।  
 (ज) याचकाय धनं यच्छति।

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8699

Unique Paper Code : 12133905

IC

Name of the Paper : V-Sanskrit Meter and Music

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit (CBCS)-SEC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

**टिप्पणी** :- अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Note** :- Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. छन्दशास्त्र के उद्भव और विकास पर विस्तार से निबन्ध लिखिये। 9

Write an essay in detail on the origin and development of Sanskrit meters.

P.T.O.

अथवा/(Or)

'छन्दः पादौ तु वेदस्य' - विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

Explain in detail - 'Chandah pādaū tu vedasya'.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

4+4=8

- (i) अक्षरवृत्त
- (ii) विषमवृत्त
- (iii) लघु और गुरु
- (iv) गति।

Write short notes on any two of the following :

- (i) Syllabic verse
- (ii) Viṣama Verse
- (iii) Laghu and Guru
- (iv) Gati.

3. निम्नलिखित वैदिक छन्दों में से किन्हीं दो को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये :

6+6=12

- (i) जगती
- (ii) अनुष्टुप्
- (iii) बृहती।

Explain any *two* of the following Vedic meters with examples :

(i) Jagatī

(ii) Anuṣṭup

(iii) Brhatī.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

5+5=10

(i) स्वराङ्कन की पद्धतियाँ

(ii) जटा पाठ

(iii) संख्याजन्य लय

(iv) गान के चार प्रकार।

Write short notes on any *two* of the following :

(i) Types of Svarāṅkana

(ii) Jatā pāṭha

(iii) Samkhyājanya Rhythm

(iv) Four types of gāna.

5. निम्नलिखित लौकिक छन्दों में से किन्हीं दो का उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये : 6+6=12

- (i) स्रग्धरा
- (ii) शिखरिणी
- (iii) तोटक ।

Explain any *two* of the following classical meters with examples :

- (i) Sragdharā
- (ii) Śikharanī
- (iii) Totaka .

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : 6+6=12

- (i) ध्रुवायोगसमन्वित गान प्रकार
- (ii) गन्धर्व
- (iii) सप्तक
- (iv) लय ।

Write short notes on any *two* of the following :

- (i) Types of Songs with dhruvā yoga
- (ii) Gandharva
- (iii) Saptaka
- (iv) Rhythm.

अथवा/(Or)

स्पष्ट कीजिये - 'तत्र गीतस्य माहात्म्यं के प्रशंसितुमीशते'।

Explain : 'tatra gītasya mähātmyam ke praśansitumīshate'.

7. निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं तीन पर गण लगाते हुये छन्द का निर्देश कीजिये : 4+4+4=12

By marking the ganas on any *three* of the following verses indicate the name of the meter :

(i) प्रथमं सारङ्गाक्ष्या प्रियया प्रतिबोध्यमानमपि सुप्तम्।

अनुशयदुःखायेदं हतहृदयं सम्प्रति विबुद्धम्॥

(ii) शय्या नावनता तथास्तृतसमा न व्याकुलप्रच्छदा

न क्लिष्टं हि शिरोपधानममलं शीर्षाभिघातौषधैः।

रोगे दृष्टिविलोभनं जनयितुं शोभा न काचित् कृता

प्राणी प्राप्य रुजा पुनर्न शयनं शीघ्रं स्वयं मुञ्चति॥

(iii) भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च।

अहङ्कार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥

P.T.O.

- (iv) ये संरम्भोत्पतनरभसाः स्वाङ्गभङ्गाय तस्मि-  
 न्मुक्ताध्वानं सपदि शरभालङ्घयेयुर्भवन्तम्।  
 तान्कुर्वीथास्तुमुलकरकावृष्टिपातावकीर्णान्  
 के वा न स्युः परिभवपदं निष्फलारम्भयत्नाः॥
- (v) वेगं करोति तुरगस्त्वरितं प्रयातुं  
 प्राणव्ययान्न चरणास्तु तथा वहन्ति।  
 सर्वत्र यान्ति पुरुषस्य चलाः स्वभावाः  
 खिन्नास्ततो हृदयमेव पुनर्विशन्ति॥



This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9202

Unique Paper Code : 62136939

IC

Name of the Paper : Indian Theatre

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit-CBCS-SEC

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Note :—** Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. प्रागैतिहासिककालीन रंगमंच पर प्रकाश डालिये। 15

Throw a light on the theatre of during Pre-historic period.

P.T.O.

(अथवा)/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(क) प्रान्तीय रंगमंच

(ख) राजसभा रंगमंच

(ग) राष्ट्रीय रंगमंच

(घ) खुला रंगमंच

(ङ) मन्दिर रंगमंच।

2. नाट्यमण्डप के स्वरूप को समझाते हुए उसके प्रकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

15

Explain the characteristics of Natyamandapa and describe its types in brief.

(अथवा)/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *three* of the following :

(क) मत्तवारणी निर्माण

(ख) रंगपीठ

(ग) नेपथ्य

(घ) भित्तिकर्म

(ङ) दर्शकदीर्घा।

3. अभिनय के प्रकारों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 15

Describe in brief the types of Abhinaya.

(अथवा)/Or

अभिनय को परिभाषित करते हुए आंगिक एवं आहार्य-अभिनय का विवेचन कीजिए।

Define Abhinaya and explain the gestural Acting and the Abhinaya related to garments (Aangika and Aaharya-abhinaya).

4. नाट्यरस के स्वरूप का निरूपण कीजिए। 15

Explain the features of Dramatic sentiments.

(अथवा)/Or

नायक को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिये।

Define the Hero and explain its types.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 15

Write short notes on any *three* of the following :

(क) आधिकारिक-कथावस्तु

(ख) स्थायीभाव

(ग) स्तम्भ-स्थापना

(घ) रंगपीठ

(ङ) आहार्य-अभिनय।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9260

Unique Paper Code : 62136939

IC

Name of the Paper : Indian Theatre

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit-CBCS-SEC.

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. वैदिककालीन रंगमंच पर प्रकाश डालिए।

15

Throw light on the theatre of Vedic period.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

- (क) प्रान्तीय रंगमंच  
 (ख) लोक रंगमंच  
 (ग) राष्ट्रीय रंगमंच  
 (घ) खुला रंगमंच।
2. नाट्यमण्डप के त्रिविध आकार पर प्रकाश डालिए।

15

Describe the three fold forms of theatre (Natyamandapa).

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *three* of the following :

- (क) मत्तवारणी निर्माण  
 (ख) रंगशीर्ष  
 (ग) नेपथ्य  
 (घ) भित्तिकर्म  
 (ङ) दारुकर्म।

3. अभिनय को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिये। 15

Define Abhinaya and give a brief introduction to its types.

अथवा/Or

अभिनय का स्वरूप बताते हुए आंगिक एवं वाचिक अभिनय को स्पष्ट कीजिए।

What is Abhinaya ? Explain the gestures Acting and the Acting related to speech.

4. रसाभिव्यक्ति से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए। 15

What do you understand by the idea of 'Expression of sentiment (Rasabhiyakti)' ?

अथवा/Or

नायक को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।

Define the Hero and explain its types in brief.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 15

Write short notes on any three of the following :

(क) आधिकारिक-कथावस्तु

(ख) स्थायीभाव

(ग) अनुभाव

(घ) स्तम्भ-स्थापना

(ङ) आहार्य-अभिनय।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9207

Unique Paper Code : 62136950 IC

Name of the Paper : Computer Awareness for Sanskrit

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit—CBCS-SEC

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

**टिप्पणी :-** अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Note :-** Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल का सामान्य परिचय एवं इसके प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। 15

Give the general introduction of Microsoft Excel and describe its functions.

P.T.O.

(अथवा/Or)

विन्डोज 8 की संरचना एवं डिजाइन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Describe in brief the Design and Architecture of Windows 8.

2. देवनागरी लिपि में खोज से सम्बन्धित मुख्य सर्च इंजन का परिचय दीजिए। 15

Give the introduction of main Search Engines related to search in Devanagari script.

(अथवा/Or)

गूगल इनपुट टूल्स का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of Google Input Tools.

3. भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में पाठ-संसाधन एवं संरक्षण उपकरणों पर एक निबन्ध लिखिए। 15

Write an essay on text processing and preservation tools in reference to Indian languages.

(अथवा/Or)

एचटीएमएल के मुख्य तत्वों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the main components of HTML with an example.

4. डाटाबेस के मुख्य कमांड का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15

Describe major Commands of Database in detail.

(अथवा/Or)

सीएसएस (CSS) पृष्ठ का एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

Make a sample of CSS page.



5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  
2×7.5=15

- (i) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड
- (ii) यूनीकोड
- (iii) विन्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम
- (iv) सर्च इंजन।

Write short notes on any *two* of the following :

- (i) Microsoft Word
- (ii) Unicode
- (iii) Windows Operating System
- (iv) Search Engine.

[This question paper contains 4 printed pages]

**Your Roll No.** : .....

**Sl. No. of Q. Paper** : **8600** **IC**

Unique Paper Code : 12135906

Name of the Course : **GE for (Hons.) :**  
**Sanskrit - CBCS**

Name of the Paper : Fundamentals of  
Indian Philosophy

Semester : IV

**Time : 3 Hours**

**Maximum Marks : 75**

**Instructions for Candidates :**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

8600

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**Section - A**

खण्ड - अ

1. Explain the meaning of word *Darśana* and describe the main differences between Heterodox and Orthodox Philosophy. 15

'दर्शन' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए नास्तिक और आस्तिक दर्शनों के प्रमुख भेदों का वर्णन कीजिए।

**OR**

अथवा

Describe the main principles of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

**Section - B**

खण्ड - ब

**Note :** Answer any **three** questions of the following :

15×3=45

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2. Describe the Ethics of *Cārvaka* philosophy.

चार्वाक दर्शन की आचार सम्बन्धी नीतियों का वर्णन कीजिए।

3. Describe the main principles of Jainism.

जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. Give the general Introduction of Buddhism and describe its four noble truth.

बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय दीजिए एवं इसके चार आर्य सत्त्यों का वर्णन कीजिए।

5. Describe *Aṣṭāṅga-yoga* as mentioned in Yoga Philosophy.

योग दर्शन में प्रतिपादित 'अष्टांग-योग' का वर्णन कीजिए।

6. Describe the *Jiva* and *Jagata* as mentioned in *Advaita Vedānta*.

अद्वैत-वेदान्त में प्रतिपादित जीव एवं जगत् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

8600

**Section - C**

**खण्ड - स**

7. Write shorts notes on any **two** of the following :

7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) Verbal testimony

शब्द प्रमाण

(ख) *Satkāyauāda*

सत्कार्यवाद

(ग) Theories of Self

आत्माविषयक सिद्धान्त

(घ) Action and rebirth

कर्म एवं पुर्नजन्म

(ङ) Liberation

मोक्ष

[This question paper contains 3 printed pages]

**Your Roll No.** : .....

**Sl. No. of Q. Paper** : **8498** **IC**

**Unique Paper Code** : 12135910

**Name of the Course** : **GE for (Hons.) :**  
**Sanskrit - CBCS**

**Name of the Paper** : Individual Family &  
Community in Indian  
Social Thought

**Semester** : II

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 75**

**Instructions for Candidates :**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

(c) Answer any **five** questions.

पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(d) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. If a person realizes his true self, he can control the operation of the three guṇas. Explain with reference to the Gītā.

यदि मनुष्य अपने यथार्थ स्वरूप को पहचान ले, तो गुणों के व्यापार को भी नियन्त्रित कर सकता है। गीता के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

2. The four puruṣārthas are the means to worldly pleasures as well as liberation. Explain.

पुरुषार्थ चतुष्टय लौकिक सुख और मोक्ष दोनों पाने का मार्ग है। व्याख्या कीजिए।

3. What is the significance of saṁskāras in social life ?

सामाजिक जीवन में संस्कारों का क्या महत्त्व है ?

4. Analyse the views of common people regarding Sita's banishment on the basis of the article - Yes to Sita, No to Rama.

Yes to Sita, No to Rama - इस लेख के आधार पर सीता के परित्याग के विषय में जनसाधारण की राय का विश्लेषण कीजिए।

5. Describe an ideal family according to the Sāmanasyam Sūkta. Does family obstruct the growth of an individual ?

सामंनस्य सूक्त के अनुसार आदर्श परिवार का वर्णन कीजिए । क्या परिवार व्यक्ति के विकास में बाधक है ?

6. An individual's interests are inter twined with those of the community. Discuss in the light of the nature of social organization in Dharma Śāstra.

व्यक्ति का हित समाज के हित से जुड़ा है । धर्मशास्त्र में सामाजिक संगठनों के स्वरूप के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

7. Write short essay on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लघु निबन्ध लिखिए :

(a) Karma Yoga

कर्म योग

(b) Gṛhastha Āśrama

गृहस्थ आश्रम

(c) Iṣṭāpūrta

इष्टापूर्त



This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9314

Unique Paper Code : 62135902

IC

Name of the Paper : Ethical and Moral Issues in Sanskrit  
Literature

Name of the Course : B.A. (P) Sanskrit : CBCS-(GE)

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any five questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. युधिष्ठिर एवं भीम गान्धारी के समक्ष जाने में भय का अनुभव क्यों कर रहे थे ?

Why were Yudhiṣṭira and Bhāem hesitants to face Gāndhārī ?

2. दुष्यन्त कौन था ? शार्ङ्गरव-शारद्वत तथा दुष्यन्त में से शकुन्तला के प्रति किसका अपराध अधिक कहा जा सकता है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

Who was Duṣyanta ? Who was more responsible for Śakuntalās misery Śārangrava-Śardvata or Duṣyanta ? Discuss with reason.

3. मनु द्वारा प्रतिपादित युद्ध के नियमों का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the rules of war laid down by Manu.

4. एक स्त्री को अपने सम्मान की रक्षा के लिए स्वयं खड़ा होना पड़ता है। दुर्योधन द्वारा द्रौपदी के अपमान के प्रसंग में टिप्पणी कीजिए।

A woman has to stand herself for the protection of her dignity.

Comment with reference to Draupadī's insult by Duryodhana.

5. लक्ष्मण ने पिता के स्थान पर भ्राता राम के साथ को प्राथमिकता क्यों दी ?

Why did Lakṣmaṇa prefer to stand with his brother rather than with his father ?

6. भर्तृहरि के अनुसार मनुष्य का वास्तविक हित सत्संगति में निहित है। टिप्पणी कीजिए।

According to Bhartṛhari, one's well-being is in 'good-company' (सत्संगति). Comment.

7. कालिदास के द्वारा अभिज्ञानशाकुन्तलम् में किए गए परिवर्तनों के आधार पर एक कवि की सृजनात्मक अभिव्यक्ति की मर्यादा पर टिप्पणी कीजिए।

Analyse the restrains on creative expressions of a poet on the basis of changes made by Kālidāsa in Abhijñāna-s'ākuntalam.

8. 'स्वधर्म-पालन, संतुलित एवं व्यावहारिक जीवन का मूल आधार है।' विवेचन कीजिए।

Following one's duties forms the basis of a balanced and practical life. Comment.

[This question paper contains 3 printed pages]

**Your Roll No.** : .....

**Sl. No. of Q. Paper** : 9453 IC

Unique Paper Code : 62137903

Name of the Course : **B. A. (Prog.)**  
**Sanskrit - CBCS - DSE**

Name of the Paper : Literary Criticism

Semester : VI

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 75**

**Instructions for Candidates :**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

9453

(c) Attempt any **five** questions.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(d) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain 'ह्लादैकमयी' as one of the special features of poetry according to Mammata. 15  
'ह्लादैकमयी' इस काव्य वैशिष्ट्य की मम्मट के अनुसार विवेचना कीजिए।
2. Explain 'यशसे' as one of the purposes of Poetry according to Kāvya-prākāśa. 15  
काव्यप्रयोजन के अंतर्गत 'काव्यं यशसे' इस प्रयोजन को काव्यप्रकाश के अनुसार स्पष्ट करें।
3. Throw light on the essential causes of poetry according to Acharya Mammata. 15  
आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य के हेतुओं पर प्रकाश डालें।
4. Explain the 'अनलंकृती पुनः क्वापि' component of the definition of poetry. 15  
काव्यलक्षणगत 'अनलंकृती पुनः क्वापि' इस अंश का अभिप्रायार्थ क्या है ? विवेचना करें।

5. Analysis the idea of Uttam Kāvya according to Mammata. 15

मम्मट के अनुसार उत्तम काव्य की समीक्षा करें।

6. Explain the 'नवरसरुचिरामिति' in detail. 15

'नवरसरुचिरामिति' की विशद व्याख्या करें।

7. Write short notes on any **two** of the following : 7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(i) Vyavahāravide

व्यवहारविदे

(ii) Guṇibhūtavyaṅgyakāvya

गुणीभूतव्यंग्यकाव्य

(iii) Śabdacitra.

शब्दचित्र

(iv) Saḡuṇau.

सगुणौ

(P)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6984

IC

Unique Paper Code : 72132803

Name of the Paper : Niti Literature Sanskrit-CI

Name of the Course : AECC - CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.
4. Answer any five of the following questions.
5. All questions are of equal marks.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. नापित ने भिक्षुकों के सिर पर ढण्ड से प्रहार क्यों किया ?

Why the barber hit with stick on the head of the ascetic ?

अथवा / OR

वानर ने अपने प्राणों की रक्षा कैसे की ?

How the monkey saved his life ?

2. सिंहकारक - सूर्यब्राह्मण कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

What is the moral teaching we get from the

सिंहकारक - सूर्यब्राह्मण कथा ?

अथवा / OR



गङ्गदत्त-प्रियदर्शन कथा पर विवेचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

Write a critical note on गङ्गदत्त-प्रियदर्शन कथा.

3. मूर्खपण्डित कथा से प्राप्त होने वाली शिक्षा का वर्णन कीजिए।

Explain the teaching we get from मूर्खपण्डित कथा.

4. नीतिशतक के आधार पर सत्सङ्गति के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

Describe the importance of the Good-company (सत्सङ्गति) on the basis of नीतिशतक.

अथवा / OR

नीतिशतक के आधार पर मनुष्य एवं पशु के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

Explain the difference between human being and animal on the basis of नीतिशतक.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(5 + 5 + 5 = 15)

P.T.O.

6984

4

Write notes on any three of the following :

कालिदास के महाकाव्य, कादम्बरी, दशकुमारचरितम्, भास, भवभूति